भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2080

21 मार्च, 2022 को उत्तर के लिए

इस्पात क्षेत्र के लिए प्रधानमंत्री गति शक्ति-राष्ट्रीय मास्टर प्लान

2080. श्री सैयद नासिर हुसैन:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इस्पात क्षेत्र में विकास की गति को तेज करने में 'मेक इन इंडिया' और "प्रधानमंत्री गति शक्ति-राष्ट्रीय मास्टर प्लान" जैसी योजनाएं किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं; और

(ख) इस पहल के अंतर्गत कर्नाटक में हुए विकास, यदि कोई हो, का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह)

(क) और (ख): भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल देश में घरेलू रूप से विनिर्मित इस्पात और इस्पात उत्पादों के प्रयोग को सुनिश्चित करती है। सरकार ने 8 मई, 2017 को घरेलू रूप से विनिर्मित लोहा और इस्पात उत्पाद (डीएमआई एंड एसपी) नीति को अधिसूचित किया है और इसे बाद में 29 मई, 2019 और 31 दिसंबर, 2020 को संशोधित किया है। इसके परिणामस्वरूप, अभी तक लगभग 22,400 करोड़ रुपये के आयात प्रतिस्थापन से स्वदेशी इस्पात क्षेत्र को बढ़ावा मिला है।

प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान अगले पाँच वर्षों हेतु अवसंरचना विकास के लिए 100 लाख करोड़ रुपये की निवेश योजना है। योजना के तहत अवसंरचना के विकास के लिए विभिन्न पहलों से विभिन्न क्षेत्रों में इस्पात की माँग को बढ़ावा मिलेगा, जिससे इस्पात के प्रयोग में वृद्धि होगी और इस्पात क्षेत्र का विकास अधिक होगा। केन्द्र सरकार की इन पहलों से कर्नाटक राज्य सहित देश भर में विकास परक प्रभाव पड़ा है।

****